CRITICAL EFFECTS OF DEMONETIZATION ON INDIAN ECONOMY

Dr Varinder Bhatia

Abstract: Demonetization of Indian currency by Indian govt is a perplexed economic issue . Its effect on Indian economy is vague . Indian economy is not booming after demonetization as per some expert reports . This research paper critically examines the issue in depth with pros and cons .

काला धन पर नुकेल लगाने के अपने वादे को अमलीजामा पहनाने के लिए प्रधानमंत्री ने विमुद्रीकरण यानि की नोट बंदी का सहारा लिया है इस फैसले का भारतीय अर्थ विवसथा पर क्या असर पड़ेगा यह एक अत्यंत विचारनीय गहन और रहस्य पूर्ण सवाल है मोजुदा हालातों में इस प्रश्न का सीधा जवाब अत्यंत मुश्किल है लेकिन इसका तर्क पूर्ण विश्लेषण किया जा सकता है

नोट बंदी से भारतीय अर्थव्यवस्था में कुछ समय के लिए गिरावट हो सकती है लेकिन संचित कालाधन नष्ट हो जाने के बाद उसकी जगह पर मुद्रित पूंजी बाजार में चलन में आते ही अर्थव्यवस्था में तेजी से उछाल आयेगा आर्थिक मामलों के जानकार कयास लगा रहे है की इससे अगले कुछ माह में महंगाई गिरेगी, ब्याज दरों में गिरावट आएगी और अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक असर पड़ेगा

कुछ अर्थ शास्त्रियों का यह भी कहना है कि रुपए के मूल्य में पांच से सात प्रतिशत तक गिरावट होगी जिससे निर्यात बेहतर होगा, दीर्घ काल में सोना, रियल इस्टेट वगैरह के दामों में गिरावट होगी. बचत खातों में पैसे जमा होंगे जिससे बैंकों की और सरकार की आर्थिक स्थिति बेहतर होगी

चुनिन्दा रिपोर्टों ने इशारा दिया है कि घर ख़रीदने के दौरान लिए गए ऋण पर बैंक दर घटेंगे और इसका असर ऋण की मासिक अदायगी या ईएमआई पर पड़ेगा और वो कम होंगे इसके इलावा बैंक में बचत खातों में रकम बढ़ने से ब्याज दर नीचे जाएंगी जिसका असर ईएमआई पर पड़ेगा और वो नीचे जा सकती है

सरकार के इस क़दम से रियल एस्टेट में भारी गिरावट देखने को नहीं मिलेंगी और दामों में पांच, 10 या 15 प्रतिशत बदलाव दिखेगा क्योंकि रियल एस्टेट कंपनियां और निवेशक दाम बढ़ने का इंतजार करेंगे कुछ विश्लेषक यह भी मानते है की कि रियल एस्टेट के दामों में गिरावट देखने को मिल सकती है क्योंकि कंपनियों ज्यादा वक्त तक तैयार घरों को बेचने से ज्यादा देर तक नहीं रोक सकतीं

इस कदम का छोटे करोबरिओं पर थोड़े समय के लिए असहजता पूर्ण प्रभाव पड़ेगा क्योंकि वो ज्यादातर नक़द में व्यापार करते है एक आंकड़े के मुताबिक़ भारतीय अर्थवस्था का क़रीब 23 प्रतिशत अवैध है. इसमें से छोटे व्यापारियों का हिस्सा 20 प्रतिशत है छोटे व्यापारी नक़द पैसा रखते हैं ताकि उनके ऊपर कर का बोझ न बढ़े और अभी ऐसा माहौल आने में वक्त लगेगा जिसमें ज्यादातर काम चेक से हो , सो तब तक छोटे व्यापारी आसानी के लिए नक़द का इस्तेमाल करेंगे

नोट बंदी से काला धन तो रहेगा लेकिन अर्थव्यवस्था में नक़दी की मात्रा घटेगी, ई मनी के इस्तेमाल में बेहतरी आएगी नोट बंदी की कदम ताल से अर्थ विस्थ में संपत्ति का पुनर्वितरण होगा और आने वाले सालों में टैक्स देने वाले लोगों की संख्या में बढ़ोत्तरी होगी जिससे टैक्स टू जीडीपी अनुपात में बेहतरी आएगी

पिछले कई सालों से आर्थिक प्रगति खपत पर आधारित थी निवेश बढ़ने से इसका अर्थव्यवस्था पर बहुत अच्छा असर पड़ेगा नीम के पत्ते चबाने सरीखी कड़वाहट भरे प्रधानमंत्री के इस लोह कदम का अर्थव्यवस्था पर असर छह से 12 महीनों तक रहेगा यह सत्य है की इस समय लोगों के हाथों में पैसे नहीं हैं , तो नतीजतन खपत पर निर्भर भारतीय अर्थव्यवस्था में गिरावट दिखेगी लेकिन छिपी संपत्ति के बेहतर इस्तेमाल से सरकारी खजाने में बेहतरी आएगी, मूलभूत सुविधाओं पर सरकार बेहतर खर्च पाएगी, ज्यादा कारख़ाने लगेंगे और ज्यादा नौकरियां मिलेंगी

क्या पूर्व में भी हम ऐसे किसी अनुभव से गुजरे हैं, जिससे कि हम कुछ सीख सकें? वर्ष 1978 में पांच हजार और दस हजार रुपये के नोटों को चलन से बाहर कर दिया गया था 165 करोड़ रुपये, जो चलन में थे, में से 135 करोड़ रुपये के नोट वापस ले लिए गए थे लेकिन उस फैसले का काली अर्थव्यवस्था पर बेहद मामूली असर पड़ा न केवल इतना बल्कि उसके बाद भी काली अर्थव्यवस्था अपने डैने पसारती रही उस उपाय से आम नागरिक का जीवन अप्रभावित रहा. अर्थव्यवस्था ज्यादा बड़ी न थी और आम नागरिक की आय भी बनिस्बत कम थी

भारत में काली अर्थव्यवस्था समानांतर नहीं है, बल्कि सफेद अर्थव्यवस्था में गुंथी सी है इसलिए 1978 की भांति ही मौजूदा उपाय का भी काली अर्थव्यवस्था पर मामूली प्रभाव ही पड़ेगा असली चिंता की बात यह है कि विभिन्न क्षेत्रों में काली आमदनी पैदा होने के तौर-तरीके प्रभावित नहीं होंगे. लेकिन इस उपाय की अर्थव्यवस्था को क्या कीमत चुकानी पड़ेगी? आगामी महीनों में देश में लेन-देन मुश्किल हो जाने से घरेलू, कारोबार और उद्योग क्षेत्रों पर क्या प्रभाव पड़ेगा इस बारे में सटीक कहना अत्यंत कठिन है

आज भी हमारे यहाँ लोगो का एक बड़ा हिस्सा प्लास्टिक मनी या चेकों का इस्तेमाल नहीं करता इस कारण भी बैंकों पर लंबी-लंबी कतारें है और छोटे करंसी नोटों में बड़ी करंसी बदलने के लिए एक काला बाजार और उभर रहा है नकारात्मक पहलु के रूप में सोने और विदेशी करंसी के लिए प्रीमियम का सिलसिला सुना जा रहा है 1980 के दशक में बियरर बांड्स के मामले में ऐसा हो चुका है शंका की जा रही है की जनधन खातों का काले को सफेद करने में इस्तेमाल हो सकता है हवाला और ज्यादा सक्रिय हो सकता है. आगामी महीनों में उपभोक्ता मांग में गिरावट हो सकती है. अलबत्ता, इस दौरान मॉल्स में बिक्री और ई-कॉमर्स आधारित प्लास्टिक मनी का चलन बढ़ सकता है

हालाकि नोट बंदी के इस फैसले के लम्बे समय में बेहतर नतीजे देने की उम्मीद जगी हुई है लेकिन अगर यह फैसला कारगर और अपेक्षित नतीजे नहीं दे पाया तो भी सरकार के लिए वापस लौटने की गुंजाइश नहीं है इस समय सरकार हर हाल में यह दिखाना चाहती है कि प्रशासन काली अर्थव्यवस्था को लेकर बेहद संजीदा है और उसने मौजूदा कदम उसने महज वापस लौटाने के लिए नहीं उठाया है इसके बावजूद अभी यह साफ नहीं हो रहा है कि काली अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले संभावित नोट बंदी के खुशनुमा प्रभाव की अर्थव्यवस्था द्वारा चुकाई जाने वाली कीमत को कैसे तार्किक ठहराया जा सकेगा

REFERENCES

1. "Withdrawal of Legal Tender Status for □ 500 and □ 1000 Notes: RBI Notice (Revised)". Reserve Bank of India. 8 November 2016. Retrieved 8 November 2016.
2. "Here is what PM Modi said about the new Rs 500, Rs 2000 notes and black money". India Today. 8 November 2016. Retrieved 9 November 2016.
3. "Notes out of circulation". The Times of India. 8 November 2016.
4. Saikia, Bijoy Sankar (18 Nov 2016). "Demonetisation may drag India behind China in GDP growth, rob fastest-growing economy tag". The Economic Times. Retrieved 2017-01-05.
5. "The dire consequences of India's demonetisation initiative". The Economist. 3 Dec 2016. Retrieved 2017-01-05.
6. Bhatt, Abhinav (8 November 2016). "Watch PM Modi's Entire Speech on Discontinuing 500, 1000 Rupee Notes". NDTV India. Retrieved 8 November 2016.
7. "Demonetisation of Rs. 500 and Rs. 1000 notes: RBI explains". The Hindu. 8 November 2016. Retrieved 10 November 2016.
8. "Sensex crashes 1,689 points on black money crackdown, U.S. election". The Hindu. Retrieved 9 November 2016.
9. "India demonetisation: Chaos as ATMs run dry". Al Jazeera. Retrieved 9 November 2016.
10. "Demonetisation: Chaos grows, queues get longer at banks, ATMs on weekend". 12 November 2016.